नगर निगम में फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र का खेल!

ठेकेदार को 44.90 लाख रु. का भुगतान, अफसरों ने जारी किया 46.59 लाख रु. का अनुभव प्रमाण पत्र

-कार्यालय संवाददाता-

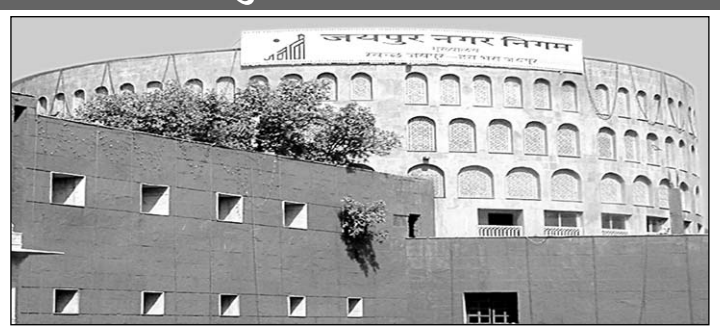

- जेडीए की 1.88 करोड़ रु. की निविदा में प्रस्तुत इस फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र की जे.डी.ए. कमिश्नर आनंदी ने हैरिटेज निगम से जांच करवाकर स्पष्टीकरण मांगा तो अफसरों की पोल खुली
- हैरिटेज निगम की तत्कालीन उद्यान उपायुक्त ने पकड़ी थी यह कारस्तानी, वास्तविक रिपोर्ट सामने आने के बावजूद भी दोषी फर्म और अफसरों पर कार्रवाई नहीं कर रहा प्रशासन

जयपुर । नगर निगम जयपुर में ठेकेदारों और अफसरों की मिलीभगत से ''फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र'' का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म को हैरिटेज नगर निगम वर्ष 2022-23 के बीच हुए एक टैंडर में 46.59 लाख रुपए का अनुभव प्रमाण पत्र दे दिया, जबकि फर्म को भुगतान ही 44.90 लाख रुपए का हुआ था। यह अनुभव ईदगाह क्षेत्र के आसपास पेड़-पौधों एवं लॉन लगाकर विकास एवं संधारण कार्य से संबंधित था। मजेदार बात यह है कि 15वें वित्त आयोग से अनुदान प्राप्ति में मिली रकम से इस कार्य की वित्तीय स्वीकृति ही 45 लाख रु. की जारी हुई थी। ऐसे में इस रकम से ज्यादा व्यय होना तो किसी हाल में संभव नहीं था।

इस फर्जीवाडे का खुलासा तब हुआ, जब जेडीए कमिश्नर आनंदी ने इस फर्म द्वारा प्रस्तुत अनुभव प्रमाण पत्र की हैरिटेज नगर निगम से जांच करवाई। तत्कालीन उद्यान उपायुक्त ने इस अनुभव प्रमाण पत्र का फर्जीवाडा उजागर करते हुए वास्तविक रिपोर्ट तत्कालीन आयुक्त डॉ. निधि पटेल के समक्ष पेश की थी। परंतु हैरानी की बात यह है कि दोषी उद्यानविज्ञ, फर्म और अन्य अफसरों के खिलाफ कोई कार्रवाई ही नहीं की गई। इससे भी बड़ी धांधली यह है कि उपायुक्त की ''सील'' के साथ यह प्रमाण पत्र जारी हुआ, परंतु इस पर उपायुक्त के हस्ताक्षर थे ही नहीं।

सूत्रों के मुताबिक, पिछले दिनों जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने 1.88 करोड़ रु. एक निविदा जारी की थी, जिसमें महल रोड ग्रीन बैल्ट जगतपुरा आर.ओ.बी. से जीवनरेखा हॉस्पिटल चौराहे तक विकास और संधारण का 2 वर्ष का कार्य था। इस टैंडर में मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म ने यह 46.59 लाख रुपए का अनुभव प्रमाण पत्र पेश किया। इसके अलावा एक अन्य फर्म मैसर्स छोटेलाल वीरेन्द्र कुमार जैन फर्म ने भी 1.83 करोड़ रुपये का हैरिटेज निगम का अनुभव प्रमाण पत्र लगाया था। जेडीए की उद्यान शाखा ने मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म को तकनीकी जांच में असफल घोषित कर दिया और अफसरों को दूसरी फर्म को उपकृत करने का आरोप लगाया। मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म ने जेडीए कमिश्नर आनंदी के समक्ष अपील दायर की, जिस पर आयुक्त ने हैरिटेज निगम प्रशासन को दोनों अनुभव प्रमाण पत्र भेजकर पूरा स्पष्टीकरण मांगा।

जैसे ही यह मामला हैरिटेज निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल के समक्ष पहुंचा तो उन्होंने तत्कालीन उद्यान उपायुक्त से इस मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी। उपायुक्त ने जैसे ही दोनों फर्मों के अनुभव प्रमाण पत्र जांचे और उनके कार्यादेशों व भुगतान का विवरण देखा तो उन्होंने मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म की गड़बड़ी पकड़ ली। उन्होंने पाया कि, 15वें वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान राशि में से 45 लाख रु. ईदगाह क्षेत्र के आसपास पेड़-पौधे और लॉन लगाकर विकास संधारण कार्य की निविदा जारी की गई थी। फर्म मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म को कुल 44 लाख 90 हजार 588 रुपए का भुगतान किया गया। जबकि इस फर्म को 4 जुलाई 2024 को 46 लाख 59 हजार 472 रुपये की ''वर्क परफॉरमेंस'' (कार्य अनुभव) संतुष्टिप्रद होने का प्रमाण पत्र जारी किया गया। उद्यान उपायुक्त की मोहर के साथ जारी इस अनुभव प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर ही नहीं थे। इससे भी बड़ा खेल यह हुआ कि, इस फर्म को 28.30 लाख रुपये का कार्यादेश जारी हुआ था, जिसे आरटीपीपी नियमों के मुताबिक 50 प्रतिशत से ज्यादा यानि कि 42.45 लाख रुपये से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता था। ऐसे में निगम प्रशासन द्वारा 44.90 लाख रुपये का किया गया भुगतान भी नियमों के विपरीत था।

इससे भी इस पर तत्कालीन उद्यान उपायुक्त ने 1 नवंबर को वरिष्ठ उद्यानविज्ञ छाजूराम को पत्र लिखकर इस इस अनुभव प्रमाण पत्र की पुष्टि करने के लिए कहा। इसके बाद 4 नवंबर को वरिष्ठ सहायक सुषमा वर्मा को भी पत्र जारी करके इस अनुभव प्रमाण पत्र से संबंधित नोटशीट और अन्य दस्तावेज भी मांगे थे। यह फर्जीवाडा उजागर होने के बाद हैरिटेज निगम प्रशासन ने अपनी वास्तविक रिपोर्ट जेडीए कमिश्नर आनंदी के समक्ष भेजी थी, जिस पर आनंदी ने 19 नवंबर को आदेश जारी करके मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म की अपील खारिज की। साथ ही उद्यानविज्ञ द्वारा इस फर्म को तकनीकी जांच में बाहर करने के निर्णय को भी सही माना।

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जयपुर में उग्र प्रदर्शन

मुख्यमंत्री निवास पर कूच कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने शहीद स्मारक पर रोका तो हुई धक्का-मुक्की

पुलिस ने युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को एम.आई. रोड स्थित शहीद स्मारक पर रोककर वाटर कैनन से रोका।

जयपुर । पुलिस शहीद स्मारक पर बुधवार को युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वोट चोरी, बदहाल कानून व्यवस्था और फसल खराबे के मुआवजे की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन उग्र प्रदर्शन करते हुए सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री निवास पर कूच करने का प्रयास किया। परंतु भारी पुलिस जाब्ते ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड्स लगाकर रोक लिया। जिसके बाद युवा कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़ गए। इसके बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। जिसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए वाटर कैनन का इस्तेमाल करते हुए , युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब, प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया समेत कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कांग्रेस नेता अभिमन्यु पूनिया ने कहा- सरकार से आम आदमी परेशान है। कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा की छापेमारी कर रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने राजस्थान में बीएलओ के सुसाइड करने के मुद्दे पर सरकार को घेरा। वहीं कोटपूतली-बहरोड जिला के युवा कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश जींदड़ ने भी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ऐसा माना जा रहा है कि राजस्थान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री निवासी का घेराव नहीं कर पाए। जिसके पीछे दो मुख्य कारण साफ नजर आए। पहला कारण तो यह रहा की समय रहते ही पुलिस शहीद स्मारक पर प्रदर्शकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने पुख्ता इंतजाम कर रखे थे। वहीं दूसरा कारण ये रहा कि पिछली बार हुए उग्र प्रदर्शन की तरह इस बार राजस्थान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की भीड़ कम नजर आई। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मुख्यमंत्री निवास के घेराव का कार्यक्रम महज प्रदर्शन के 15 मिनट के दौरान ही समाप्त हो गया। प्रदर्शन के दौरान कोटपूतली -बहरोड जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश जींदड़ ने बीजेपी पर वोटों की हेराफेरी का आरोप लगाते हुए बिहार में सरकार बनाने की बात कहीं।

ओसवाल सोप ग्रुप के लक्की-ड्रा में राहुल शर्मा को मिली एस.यू.वी. कार

ओसवाल सोप ग्रुप की ओर से गुरूवार को प्रथम पुरस्कार के तौर पर विजेता चौमूं निवासी 'राहुल किराना' के संचालक राहुल शर्मा को ग्रैंड विटारा कार की चाबी सौंपी गई।

जयपुर । ओसवाल सोप ग्रुप की ओर से बीते दिनों 'ओसवाल सोप ग्रुप का लक्की ड्रा 2024-25' का भव्य आयोजन जयपुर के आगरा रोड, रिंग रोड प्रोजेक्ट के पास स्थित बगराना स्थित कॉर्पोरेट ऑफिस में किया गया था।

इसमें बुधवार को प्रथम पुरस्कार विजेता चौमूं के राहुल किराना के राहुल शर्मा को ओसवाल सोप ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर अजय जैन एवं सौरभ जैन ने पुरस्कार स्वरूप ग्रैंड विटारा कार की चाबी भेंट की। यह कार्यक्रम ओसवाल सोप के चौमूं क्षेत्र में अधिकृत डीलर सिंगोदिया डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा आयोजित किया गया। पुरुस्कार वितरण कार्यक्रम में रोड शो निकाला गया। इस दौरान विजेता दुकानदार भाइयों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी तथा चोमू क्षेत्र के एसएचओ प्रदीप शर्मा उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि ओसवाल सोप ग्रुप राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय कर रहा है और गुणवत्ता व सेवा के लिए जाना जाता है।

सीवर लाइन में काम करते वक्त दो मजदूर दबे, एक की मौत

हादसे के तुरंत बाद वहां से गुजर रहे स्थानीय छात्रों ने किया रेस्क्यू, देरी से पहुंची एंबुलेंस में नहीं मिले जरूरी उपकरण

जयपुर । श्याम नगर इलाके में हीरापुरा 200 फीट बाईपास स्थित सुंदर नगर में दो मजदूरों को बिना सुरक्षा उपकरणों को सीवर लाइन में काम करना भारी पड़ गया। मिट्टी में दबने से एक मजदूर की मौत हो गई। वहीं दूसरे का हाथ फ्रेक्चर हो गया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद सुंदर नगर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जिसके बाद स्थानीय कुछ छात्रों ने मौके पर पहुंच कर राहत कार्य शुरु किया और दोनो मजदूरों को रेस्क्यू कर मिट्टी से बाहर निकाला। लेकिन मौके पर पहुंची एम्बुलैंस में जरुरी उपकरण नहीं होने के कारण मजदूर को जान से हाथ धोना पड़ा।

इस मामले में स्थानीय लोगों ने बताया की मिट्टी में दबे मजदूरों को चार छात्रों ने बाहर निकाला । जिसमें करीब डेढ़ घंटा लगा। जबकि मामले की सूचना पुलिस को तुरंत दे दी गई थी। लेकिन पुलिस प्रशासन मौके पर डेढ़ घंटे बाद पहुंचा। जब दोनो मजदूरों को बाहर निकाला गया तो उनकी सांस चल रहीं थी। लेकिन मौके पर पहुंची एम्बुलेंस में ऑक्सीजन और अन्य संसाधन नहीं थे। जिसके चलते एक मजदूर की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुंदर नगर में करीब 15 दिनों से सीवर लाइन का कार्य चल रहा था। जिसमें ठेकेदार ने बिना सुरक्षा उपरणों के बासंवाड़ा निवासी सुनील और दिनेश को काम पर लगा रखा था। गुरुवार शाम साढ़े 5 बजे सीवर लाइन दोनो मजदूर अचानक से मिट्टी में दब गए । मिट्टी में दबने बांसवाड़ज्ञ निवासी सुनील की मौत हो गई। वहीं दिनेश का हाथ फ्रैक्चर हो गया। स्थानीय लोगों ने ठेकेदार के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। छात्रावास के छात्र अंकित यादव, जयराम यादव, मोनू जाट और मोहित यादव ने मिट्टी में दबे मजदूरों को निकाला। छात्रों ने बताया कि इस दौरान काम करने वाले अन्य मजदूर या ठेकेदार ने मदद नहीं की। उन्होंने बताया कि जिस मजदूर की मौत हुई, जब हमने उसे निकाला, उस समय उसकी सांसें चल रही थी। युवकों ने बताया- हम चार लोग थे, जो इन दोनों मजदूरों को करीब डेढ़ घंटा में निकाला।

सार-समाचार

महिला टीआई ने लावारिश बच्ची को संभाला

जयपुर । चांदपोल में ड्यूटी कर रही ट्रैफिक महिला टीआई ने एक मां की तरह अपना फर्ज निभाते हुए लावारिश बच्ची को संभाला और आसपास उसके परिजनों की तलाश करने के बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी। लेकिन टीआई कविता शर्मा को इस मामले में कोई सफलता नहीं मिली तो उसने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लावारिश मिली बच्ची को जेके लोन अस्पताल में डॉक्टरों के निगरानी में रखवाया। टीआई कविता शर्मा को चांदपोल श्मशान घाट के बाहर एक नवजात बच्ची के लावारिश पड़े होने की सूचना मिली। जिसके बाद महिला पुलिसकर्मी ने अपना ड्यूटी पॉईट छोड़कर सबसे पहले लावारिश पड़ी बच्ची को संभाला और अपने कब्जे में लेकर जेके लॉन अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में रखवाया। ट्रेफिक महिला पुलिस कर्मी कविता शर्मा ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब पौने तीन बजे चांदपोल श्मशान घाट के बाहर विश्राम स्थली के पीछे एक नवजात बच्ची के लावारिश पड़ी होने की सूचना मिली थी। ड्यूटी के दौरान सूचना मिलने पर महिला ट्रेफिक पुलिस कर्मी ने मौके पर जाकर लाल कपड़े में लिपटी हुई रोती बच्ची को उठाया और मामले की सूचना संबंधित थाने को दी। बनीपार्क थाने के मौके पर पहुंचते ही कविता शर्मा ने लावारिश बच्ची को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। माना जा रहा है कि नवजात बच्ची का जन्म करीब 10 दिन होना प्रतीत हो रहा है और भूख के मारे में रो रहीं थी। नवजात को कुछ समय पहले ही कोई अज्ञात यहां छोड़कर फरार हो गया। नवजात का जन्म किसी हॉस्पिटल में हुआ है, उसकी नाल पर क्लिप लगी हुई मिली है।पुलिस वारदातस्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों के आधार पर अज्ञात माता-पिता की तलाश करने में जुटी है।

बच्चों ने उकेरी सड़क सुरक्षा की तस्वीरें

जयपुर । सड़क सुरक्षा नियमों की जागरुकता जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रोड सेफ्टी लाइन एनजीओ की ओर से पांचवी पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गत 17 से 19 नवंबर तक यह प्रतियोगिता जयपुर ज़िले के 60 विद्यालयों में आयोजित कराई गई, जहां करीब 3 हजार विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह प्रतियोगिता तीन वर्गों में विभाजित की गई, जिनमें प्रथम वर्ग में कक्षा 3 से 5, दूसरे वर्ग में कक्षा 6 से 8 और तीसरे वर्ग में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की सभी प्रविष्टियाँ 21 नवंबर तक प्राप्त हो जाएंगी। इसके बाद पद्मश्री तिलक गिताई की अध्यक्षता में गठित निर्णायक मंडल इन प्रविष्टियों का मूल्यांकन करेगा। प्रत्येक वर्ग में तीन मुख्य पुरस्कार और 11 सांत्वना पुरस्कार चुने जाएंगे। विजेताओं को 4 हजार से 31 हजार रुपये मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स प्रदान किए जाएंगे।

हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब बरामद

जयपुर । मोती डूंगरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हरियाणा निर्मित अलग-अलग महंगे ब्रांड की अंग्रेजी शराब की 461 बोलत शराब का जखीरा बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित हरियाणा निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब को चोरी छिपे हरियाणा से लेकर जयपुर आता और फिर किराये के मकान में छिपाकर रखता था। इसके बाद ऑर्डर मिलने पर पार्सलो के माध्यम से बिक्री करता था। इस संबंध में आरोपी सोनू सरदार उर्फ गुरूदीप सिंह के खिलाफ अवैध भारी मात्रा में हरियाणा निर्मित शराब जब्त कर गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि मोती डूंगरी थाना पुलिस ने बीस दुकान आदर्श नगर जयपुर पूर्व में फरार आरोपी सोनू सरदार उर्फ गुरूदीप सिह के किराये के मकान से भारी मात्रा में अवैध हरियाणा निर्मित अलग-अलग महंगे ब्रांड की कुल 461 बोतल बरामद की है और साथ ही आरोपी की गिरफ्तारी प्रयास किए जा रहे है।

1700 स्काउट गाइड लखनऊ में करेंगे प्रदेश का प्रतिनिधित्व

राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने जंबूरी तैयारी शिविर का निरीक्षण किया।

जयपुर । राजस्थान का 1700 स्काउट गाइड का दल स्पेशल ट्रेन से 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में सहभागिता करने 21 नवम्बर को जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन से लखनऊ के लिए रवाना होगा।

भारत स्काउट व गाइड की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी की तैयारी के लिए आयोजित शिविर के अंतिम दिन समापन समारोह के अवसर पर जंबूरी में प्रस्तुत की जाने वाली गतिविधियों का प्रदर्शन और तैयारी देखकर समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी ने राजस्थान दल द्वारा अनुशासन धैर्य और समन्वय के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राजस्थान प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने हेतु शुभकामनाओं के साथ आशीर्वाद प्रदान किया। चतुर्वेदी ने बताया कि बाल्य काल में वे भी स्काउटिंग का अंग रहे जिससे जीवन का अनुशासन, संयम, अपना काम स्वयं करना आदि सीखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने बताया कि इस जंबूरी के समस्त संभागियो के भोजन का व्यय उत्तर प्रदेश सरकार वहन करेगी। इस कार्य के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और मंत्रीगण का बहुत-बहुत धन्यवाद अर्पित किया।

अमायरा को न्याय दिलाने के लिए 22 को शहीद स्मारक पर होगा उग्र प्रदर्शन

प्रैस कॉफ्रेंस कर अमायरा के माता-पिता और अभिभावक संघ ने नीरजा मोदी स्कूल की मान्यता रद्द करने और शिक्षकों पर कार्रवाई की मांग उठाई

जयपुर । मानसरोवर स्थित नीरजा मोदी स्कूल में 9 वर्षीय अमायरा की 1 नवंबर को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को 20 दिन बीत चुके हैं, परंतु निष्पक्ष जांच ना होने के चलते अभिभावकों में लगातार आक्रोश बढ़ रहा है। अब 22 नंवबर को जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर ''अमायरा को न्याय'' दिलाने के लिए उसके माता-पिता, परिजन और अन्य अभिभावक आक्रोश आंदोलन व कैंडल मार्च निकालेंगे।

मंगलवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब पर संयुक्त अभिभावक संघ द्वारा नीरजा मोदी स्कूल में घटे घटनाक्रम के संदर्भ में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई, जिसमें संघ के पदाधिकारियों सहित पहली बार सामूहिक तौर पर अमायरा के माता-पिता और परिजन भी शामिल हुए। वार्ता के दौरान अमायरा के माता-पिता विजय कुमार मीणा एवं शिवानी देव मीणा ने नीरजा मोदी स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों पर गंभीर आरोप लगाये। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन की अनदेखी और लापरवाही ने हमारी बच्ची छीन ली। उन्होंने मांग उठाई कि, नीरजा मोदी स्कूल की तत्काल मान्यता रद्द की जाए। जिम्मेदार शिक्षकों व प्रबंधन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जांच समिति में अभिभावक प्रतिनिधि को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। जांच की गति तेज कर इसे निष्पक्ष व पारदर्शी बनाया जाए। सबूत नष्ट करने के मामले में स्कूल पर अलग से दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

अमायरा के माता-पिता गुरूवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से रूबरू हुए।

अमायरा के माता-पिता ने कहा कि यह दर्द केवल अमायरा का नहीं, हर उस बच्चे का है जो स्कूलों में असुरक्षित है। कोई और बच्चा अमायरा न बने- इसलिए अब यह लडाई हम सबकी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि 22 नवंबर को दोपहर 2 बजे शहीद स्मारक, गवर्नमेंट हॉस्टल पर आयोजित 'अमायरा को न्याय' प्रदर्शन में अवश्य शामिल होने का आव्हान किया। अमायरा के माता-पिता ने कहा कि, पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से अमायरा लगातार बुलिंग का शिकार हो रही थी। हमने कई बार शिकायत की, परंतु कभी भी ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अमायरा द्वारा शिक्षकों को बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद उसे ही दोषी ठहराया गया। घटना के बाद क्राइम सीन को धोकर सबूत नष्ट करना-मामले को और संदिग्ध बनाता है। घटना वाले दिन केवल अंतिम 10 मिनट में ही अमायरा ने शिक्षिका से 5 बार मदद मांगी, लेकिन उसे डांटकर या अनसुना कर दिया गया। हमारी बच्ची मदद मांगती रही, पर स्कूल ने उसे अकेला छोड़ दिया। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, एक मासूम की जिंदगी से खिलवाड़ है। संयुक्त अभिभावक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल ने कहा- अमायरा जैसी बच्चियां इस व्यवस्था की जिम्मेदारी हैं।

20 दिन बाद भी आरोपियों को हिरासत में न लेना और जांच को स्कूल की सुविधा अनुसार चलाना अस्वीकार्य है। हम मांग करते हैं कि जांच समिति में अभिभावक प्रतिनिधि को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए।

ई-रिक्शा पर लगेंगे क्यूआर कोड, अवैध रोड कट भी बंद होंगे

ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड की बैठक में जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने और हादसे घटाने के लिए निर्णय

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) में गुरुवार को जयपुर विकास आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में ट्रेफिक कंट्रोल बोर्ड की बैठक हुई। बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने से जुड़े कई अहम निर्णय लिए गए। इनमें जब्त वाहनों की अस्थाई पार्किंग, ई-रिक्शा पर क्यूआर कोड, अवैध कट बंद करने, ब्लैक स्पॉट दुरुस्तीकरण और बस चालकों के प्रशिक्षण जैसे महत्वपूर्ण फैसले शामिल रहे।

बैठक में फैसला हुआ कि यातायात पुलिस द्वारा बड़ी संख्या में वाहनों के जब्त होने के बाद पार्किंग की समस्या सामने आ रही थी। बैठक में 22 गोदाम पुलिया के नीचे, बगराना, जलमहल-कनक घाटी के पास और किसान धर्मकाटा के निकट खाली जमीन पर अस्थाई पार्किंग विकसित करने का फैसला हुआ। इसके साथ ही यातायात पुलिस ने 200 चौराहों और तिराहों को चिह्नित किया है, जहां स्टॉप लाइन और जेब्रा क्रॉसिंग दुबारा डलवाई जाएगी।

जयपुर विकास आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में ट्रेफिक कंट्रोल बोर्ड की बैठक हुई।

बैठक में बताया गया कि जेडीए को यातायात पुलिस और परिवहन विभाग से मिले सर्वे में शहर की 77 सड़कें क्षतिग्रस्त पाई गईं। इनमें से 52 सड़कों का मरम्मत पूरी हो चुकी है, जबकि 14 सड़कों पर कार्य प्रगति पर है। बाकी सड़कों पर प्रक्रिया चल रही है।

बैठक में जयपुर में ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने के लिए क्यूआर कोड प्रणाली लागू करने का फैसला हुआ। जिससे बिना रजिस्ट्रेशन वाले रिक्शों का संचालन रुक जाएगा और ई-रिक्शा केवल निर्धारित जोन में ही चल पाएंगे। वहीं बढ़ते हादसों को रोकने के लिए दुर्घटना संभावित स्थानों (ब्लैक स्पॉट) को दुरुस्त करने के आदेश दिए गए।

- रामनिवास बाग की तर्ज पर शहर के अलग-अलग इलाकों में बनाई जायेगी भूमिगत पार्किंग

बैठक में बताया गया कि कई बस चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं। ऐसे में जेसीटीएसएल चालकों के लिए नियमित प्रशिक्षण और कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। उनसे यह सुनिश्चित कराया जाएगा कि बसें केवल निर्धारित शेल्टर या स्टॉप पर ही रोकी जाए।

इसके साथ ही बसों और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों के लिए सर्वे कर नए पार्किंग स्थल चिन्हित किए जाएंगे। वहीं यातायात पुलिस द्वारा शहर के अवैध कटों को बंद किया जाएगा। जबकि चारदीवारी क्षेत्र में लोडिंग वाहनों की एंट्री टाइमिंग तय की जाएगी।

बैठक में सीबीआई फाटक से खो नागोरियान की ओर जाने वाली सड़क को चौड़ा करने के निर्देश दिए गए। वाहन पार्किंग आसान करने के लिए नए पार्किंग स्थल 90 डिग्री के बजाय 30 डिग्री एंगल पर बनाए जाएंगे। चारदीवारी क्षेत्र में रामनिवास पार्किंग की तर्ज पर शहर में अलग - अलग इलाकों में नई अंडरग्राउंड पार्किंग बनाने के लिए भूमि चिन्हित की जाएगी। वहीं शहर में औचक प्रवर्तन के लिए मोबाइल एनफोर्समेंट कैमरे उपयोग में लाए जाएंगे। 45 ट्रैफिक पॉइंट्स पर 130 महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी, जहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।